“सहकार से समृद्धि”

International Year of Cooperatives

Cooperatives Build a Better World

“IYC-2025”
Chhattisgarh Status Report, March-2025

मानदंड	विवरण
क्षेत्र	समस्त समितियां
गतिविधि का स्तर/स्थान	राज्य/रायपुर
कार्यक्रम गतिविधि का नाम	अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 अंतर्गत छत्तीसगढ़ में की जाने वाली गतिविधियों के वार्षिक कैलेण्डर का विमोचन।
गतिविधि पर संक्षिप्त जानकारी	माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा दिनांक 02 मार्च 2025 को सहकारिता विभाग की गतिविधियों पर आधारित वार्षिक कैलेण्डर का विमोचन किया गया। यह कैलेण्डर “सहकार से समद्धि” के मूलमंत्र पर आधारित राज्य सरकार द्वारा सहकारिता के क्षेत्र में किए जा रही गतिविधियों, नवाचारों और उपलब्धियों का प्रतीक है।
उद्देश्य	अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 में राज्य में किए जाने वाले गतिविधियों का प्रचार प्रसार करते हुए राज्य के नागरिकों को गतिविधियों से जोडने तथा सहकारी समितियों से जुड़ कर कार्य करने हेतु प्रेरित करना।
प्रतिभागियों की संख्या	536
उपलब्धियाँ और परिणाम	कैलेण्डर के विमोचन उपरांत राज्य के समस्त संभागीय कार्यालय/जिला कार्यालय/बैंक एवं पैक्स समितियों में कैलेण्डर उपलब्ध कराया गया है, जिससे राज्य के सहकारी जनों तक गतिविधियों का प्रचार प्रसार हुआ तथा सहकारी आंदोलन से जुडने हेतु समस्त सहकारी जनों को प्रेरित किया गया है।

1. गतिविधि : अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 अंतर्गत छत्तीसगढ़ में की जाने वाली गतिविधियों के वार्षिक कैलेण्डर का विमोचन।

सीएम विष्णु देव साय ने सहकारिता विभाग के वार्षिक कैलेंडर का किया विमोचन

रायपुर, 2 मार्च (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मंत्रालय में सहकारिता विभाग की गतिविधियों पर आधारित वार्षिक कैलेंडर का विमोचन किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा, सहकारिता मंत्री केदार कश्यप सहित सभी कैबिनेट मंत्रीगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर सहकारिता विभाग के अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि च्सहकार से समृद्धिज्ज के मूलमंत्र पर आधारित यह कैलेंडर राज्य सरकार द्वारा सहकारिता के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों और उपलब्धियों का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं में सहकारिता की भागीदारी छत्तीसगढ़ को समृद्धि और विकास के नए आयामों तक ले जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहकारिता को मिली मान्यता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 2025 को 'अंतरराष्टीय सहकारिता वर्ष' घोषित किया गया है। इसी परिप्रेक्ष्य में, भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय द्वारा च्सहकार से समृद्धिज्ज अभियान के तहत विविध गतिविधियाँ पूरे छत्तीसगढ़ में आयोजित की जा रही हैं।

वार्षिक कैलेंडर में समाहित योजनाएँ एवं कार्ययोजना

सहकारिता विभाग के इस वार्षिक कैलेंडर में ग्राम, जिला एवं प्रदेश स्तर पर संचालित विभिन्न गतिविधियों को शामिल किया गया है। इन गतिविधियों में धान खरीदी एवं भंडारण प्रक्रिया का विस्तार, प्रधानमंत्री जन औषधि स्टोर एवं कॉमन सर्विस सेंटर की स्थापन, विश्व स्तर पर विशाल अन्न भंडारण के लिए नवीन गोदामों का निर्माण, किसानों को एटीएम कार्ड प्रदान करना एवं पैक्स में माइक्रो एटीएम के माध्यम से भुगतान सुविधा, नवीन पैक्स सोसाइटी, डेयरी एवं मत्स्य सहकारी समितियों का पंजीयन एवं सशक्तिकरण के सम्बन्ध में जानकारी दी गई है।

■ सहकार से समृद्धि पर आधारित है कैलेंडर

वार्षिक कैलेंडर के विमोचन के साथ राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ को सहकारिता आधारित आर्थिक विकास की दिशा में आगे ले जाने का एक और मजबूत कदम उठाया है। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर सहकारिता विभाग को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि यह पहल राज्य के सहकारी तंत्र को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं लाभदायक बनाएगी।

इस अवसर पर मुख्य सचिव अमिताभ जैन, अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, सहकारिता सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना, आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएँ कुलदीप शर्मा, अपर आयुक्त सहकारिता एवं प्रबंध संचालक अपेक्स बैंक एल. कांडे सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। इसके अलावा, सहायक पंजीयक मनीष खोबरागड़े, अपेक्स बैंक के प्रबंधक अभिषेक तिवारी, लेखा अधिकारी प्रभाकर कांत यादव सहित विभाग के कई गणमान्य अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे।

माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा दिनांक 02 मार्च 2025 को सहकारिता विभाग की गतिविधियों पर आधारित वार्षिक कैलेण्डर का विमोचन किया गया। यह कैलेण्डर "सहकार से समद्धि" के मूलमंत्र पर आधारित राज्य सरकार द्वारा सहकारिता के क्षेत्र में किए जा रही गतिविधियों, नवाचारों और उपलब्धियों का प्रतीक है।

मानदंड	विवरण
क्षेत्र	अपैक्स बैंक/जिला सहकारी केंद्रीय बैंक तथा पैक्स
गतिविधि का स्तर/स्थान	अपैक्स बैंक/जिला सहकारी केंद्रीय बैंक
कार्यक्रम गतिविधि का नाम	पैक्स कम्प्यूटरीकरण के संबंध में अपेक्स बैंक द्वारा कार्यशाला का आयोजन।
गतिविधि पर संक्षिप्त जानकारी	पैक्स समितियों के समिति प्रबंधक एवं कम्प्युटर ऑपरेटर को पैक्स कम्प्यूटरीकरण संबंधित कार्यशाला का आयोजन अपैक्स बैंक तथा समस्त जिला सहकारी बैंकों एवं समस्त नोडल कार्यालय जिला सहकारी केंद्रीय बैंक में किया गया।
उद्देश्य	पैक्स कम्प्यूटरीकरण अंतर्गत निर्मित साफ्टवेयर से पैक्स कर्मचारियों को साफ्टवेयर के कुशल उपयोग हेतु दक्ष करना।
प्रतिभागियों की संख्या	5227
उपलब्धियाँ और परिणाम	कार्यशाला के आयोजन से पैक्स कम्प्यूटरीकरण अंतर्गत निर्मित साफ्टवेयर से पैक्स कर्मचारी साफ्टवेयर के कुशल उपयोग करने हेतु प्रशिक्षित हुए तथा राज्य के 286 ई-पैक्स में संव्यावहार से संबंधित दैनिक कार्य किए जा रहे है।

2. गतिविधि : पैक्स कम्प्यूटरीकरण के संबंध में अपेक्स बैंक द्वारा कार्यशाला का आयोजन।

स्तर	आयोजन का विवरण	गतिविधियों की संख्या
संभाग तथा बैंक	पैक्स कम्प्यूटरीकरण के संबंध में अपेक्स बैंक द्वारा कार्यशाला का आयोजन किया गया।	10

पैक्स कम्प्यूटराइजेशन विषय पर संगोष्ठी सह कार्यशाला का आयोजन नोडल कार्यालय जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, रायपुर जिला बलौदा बाजार भाटापारा में किया गया ।

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक प्रधान कार्यालय जगदलपुर द्वारा जिला दंतेवाडा एवं बीजापुर के समिति प्रबंधक एवं कम्प्युटर ऑपरेटर को पैक्स कम्प्यूटरीकरण संबंधित कार्यशाला का आयोजन।

मानदंड	विवरण
क्षेत्र	हाथकरघा एवं बुनकर समितिया
गतिविधि का स्तर/स्थान	समस्त जिला (33)
कार्यक्रम गतिविधि का नाम	हाथकरघा एवं बुनकर समितियों के लिए प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम।
गतिविधि पर संक्षिप्त जानकारी	हाथकरघा संघ द्वारा प्रदेश के बुनकरों को हाथकरघा उद्योगों से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी गई तथा छत्तीसगढ़ सरकार की नई हाथकरघा नीति का प्रचार प्रसार किया गया है।
उद्देश्य	हाथकरघा कारीगरों को स्व रोजगार स्थापित करने हेतु प्रेरित करना।
प्रतिभागियों की संख्या	629
उपलब्धियाँ और परिणाम	प्रशिक्षण के माध्यम से बुनकर कारीगरों को नवीन बुनकर प्रशिक्षण योजना कौशल बुनाई प्रशिक्षण अधोसंरचना निर्माण सहायता, बुनकर आवास तथा वर्क सेड, उन्नत करघे एवं सहायक उपकरण, रिवाल्विंग फण्ड योजना, डिजाइन विकास योजना, अनुसंधान एवं विकास योजना, स्व. बिसाहू दास महन्त पुरस्कार योजना, कबीर बुनकर प्रोत्साहन योजना इत्यादि पर विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान करने से बुनकर परिवार जागरूक हुए।

3. गतिविधि : हाथकरघा एवं बुनकर समितियों के लिए प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम।

स्तर	आयोजन का विवरण	गतिविधियों की संख्या
जिला	हाथकरघा एवं बुनकर समितियों के लिए प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।	33

छत्तीसगढ़ सरकार हाथकरघा उद्योग को बढ़ा रही : पूर्णानंद चुरेन्द्र

- केंद्र सरकार की भी बहुत सारी योजनाएं जिसका लाभ युवा वर्ग हाथकरघा उद्योग को अपनाकर ले सकते हैं
- नवीन पंजीकृत बुनकर सहकारी समिति का प्रशिक्षण संपन्न

धमतरी(प्रखर)। जिला सहकारी संघ मर्यादित धमतरी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अंतर्गत मगरलोड विकासखंड के क्षेत्र अंतर्गत नवीन पंजीकृत श्री राम जानकी बुनकर सहकारी समिति मर्यादित रांकाडीह के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का सहकारी प्रशिक्षण महावीर चौक परिसर रांकाडीह में 11 मार्च को संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में जिला सहकारी संघ के प्राधिकृत अधिकारी सी पी साहू, संघ प्रबंधक ए पी गुप्ता, सहकारिता विस्तार अधिकारी मगरलोड परिक्षेत्र भुनेश्वर नेताम, जनपद पंचायत मगरलोड के सदस्य केवल राम कंवर, सरपंच रांकाडीह भोजराज साहू, उप सरपंच किरण साहू, श्री राम जानकी बुनकर सहकारी समिति के अध्यक्ष मनोरमा साहू, जिला हाथकरघा रायपुर के निरीक्षक पूर्णानंद चुरेंद्र, सचिव छत्तीसगढ़ बुनकर शिल्पी संघ के अवध देवांगन सहित बुनकर समिति के समस्त पदाधिकारियों सहित सदस्य व ग्रामीण जन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण के कार्यक्रम में निरीक्षक श्री चुरेंद्र ने राज्य शासन की योजनाओं का विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए कहा कि हाथकरघा संघ के द्वारा प्रदेश के बुनकरों के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं के लिए प्रोत्साहन पुरस्कार, उच्च शिक्षा पुरस्कार, वरिष्ठ बुनकर सम्मान, बुनकर परिवार सहायता योजना संचालित है। ये योजनाए हाथकरघा उद्योगों के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार खुद बुनकर समितियो को धागा उपलब्ध कराती है और इस धागे से कपड़ा बनने के बाद सरकार ही कपड़ा खरीद लेती है। हर हाथ को काम के लक्ष्य के मकसद से छत्तीसगढ़ सरकार हाथकरघा उद्योग को बढ़ाने का फैसला लिया है। इसके अलावा केंद्र की भी बहुत सारी योजनाएं हैं, जिसका लाभ युवा वर्ग हाथकरघा उद्योग को अपनाकर ले सकते हैं।

शिल्पी संघ के सचिव श्री देवांगन ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की पहल और नई हाथकरघा नीति की वजह से हाथकरघा कपड़ा बुनाई में प्रदेश के 70000 बुनकरों और स्कूली बच्चों के गणवेश सिलाई में 10000 महिलाओं को रोजगार मिल रहा है। हाथकरघा विभाग के माध्यम से हाथकरघा कारीगरों को स्वरोजगार स्थापित करने के उद्देश्य से बहुत सारी योजनाएं चलाई जा रही है। जिसमें नवीन बुनकर प्रशिक्षण योजना, कौशल उन्नयन बुनाई प्रशिक्षण, अधोसंरचना निर्माण सहायता, बुनकर आवास सह वर्कशेड, उन्नत करघे एवं सहायक उपकरण, रिवाल्विंग फंड योजना, डिजाइन विकास योजना, अनुसंधान एवं विकास योजना, स्वर्गीय बिसाहू दास महंत पुरस्कार योजना, कबीर बुनकर प्रोत्साहन योजना आदि पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी। सहकारिता विस्तार अधिकारी मगरलोड श्री नेताम ने सहकारिता के नियम, अधिनियम व निर्वाचन संबंधी जानकारी विस्तार पूर्वक दी। संघ के प्राधिकृत अधिकारी श्री साहू ने संघ के उद्देश्य, प्रशिक्षण का उद्देश्य व महत्व पर प्रकाश डाला। मंचस्थ अतिथियों ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में मंचस्थ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन व भारत माता के चित्र पर पूजन अर्चन कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन संघ प्रबंधक ए पी गुप्ता एवं आभार प्रदर्शन केशव राम साहू शिक्षक ने किया।

जिला धमतरी

जिला गरियाबंद

“सहकार से समृध्दि”

मानदंड	विवरण
क्षेत्र	नवगठित बहुउद्देशीय समितियां
गतिविधि का स्तर/स्थान	समस्त जिला (33)
कार्यक्रम गतिविधि का नाम	नवगठित बहुउद्देशीय समितियों के व्यवसाय विकास हेतु संगोष्ठी ।
गतिविधि पर संक्षिप्त जानकारी	भारत सरकार सहकारिता मंत्रालय द्वारा दिए गए निर्देश के अनुक्रम में नवीन सहकारी समितियों का गठन किया जाना है, उक्त तारतम्य में राज्य में 243 नवीन दुग्ध, 266 नवीन मत्स्य, 152 नवीन वनधन विकास केन्द्र सहकारी समितियां का पंजीयन किया गया है।
उद्देश्य	नवीन गठित समितियों को प्रशिक्षण प्रदान करना।
प्रतिभागियों की संख्या	6227
उपलब्धियाँ और परिणाम	नवीन पंजीकृत सहकारी समितियों का एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाने से समिति के संचालक मण्डल दल कर्मचारियों को समितियों के व्यावसाय से संबंधित प्रशिक्षण प्राप्त हुआ है।

4. गतिविधि : नवगठित बहुउद्देशीय समितियों के व्यवसाय विकास हेतु संगोष्ठी ।

स्तर	आयोजन का विवरण	गतिविधियों की संख्या
जिला	नवगठित बहुउद्देशीय समितियों के व्यवसाय विकास हेतु संगोष्ठी का आयोजन किया गया।	33

नवीन पंजीकृत सहकारी समितियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

अमन पथ न्यूज

बालोद।अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अंतर्गत उप आयुक्त सहकारिता एवं उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं बालोद व बालोद जिला सहकारी संघ मर्यादित बालोद के संयुक्त तत्वावधान में नवीन पंजीकृत सहकारी समितियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक शाखा बालोद में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन व छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा अर्चना के बाद की गई। कार्यक्रम में सहायक आयुक्त सहकारिता एवं सहायक पंजीयक बालोद पी.के.मेश्राम, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक व बालोद जिला सहकारी संघ के प्राधिकृत अधिकारी उमाशंकर शर्मा, अतिरिक्त उप संचालक पशु पालन विभाग ताम्रध्वज देवांगन, देवभोग ए.जी.इ. ओ. एच. एल. पटेल संघ की प्रंबधक श्रीमती स्नेहलता साव, लेखापाल वेदप्रकाश साहू व नवीन पंजीकृत सहकारी समितियों के पदाधिकारी व सदस्य बड़े संख्या में उपस्थित थे।कार्यक्रम में सहकारिता, समितियों के संचालन से संबंधित विभागीय जानकारी, मत्स्य, दुग्ध, पशु पालन,व वनोपज सहकारी समितियों के सफलता पूर्वक संचालन करने का प्रशिक्षण दिया गया।

जिला बालोद	जिला धमतरी

मानदंड	विवरण
क्षेत्र	पैक्स
गतिविधि का स्तर/स्थान	ग्राम/(पैक्स 2058)
कार्यक्रम गतिविधि का नाम	माईक्रो ATM से संव्यवहार बढ़ाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम।
गतिविधि पर संक्षिप्त जानकारी	राज्य के समस्त 2058 पैक्स समितियों में माईक्रो ए.टी.एम उपलब्ध कराये गए है जिनके माध्यम से किसान 10000 तक कैश की निकासी कर सकते है, राज्य के समस्त 2058 पैक्स में संव्यवहार बढाने हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए है।
उद्देश्य	कृषकों को असान कैश सुविधा प्राप्त कराना तथा कृषकों के समय एव संसाधन की बचत करना।
प्रतिभागियों की संख्या	18008
उपलब्धियाँ और परिणाम	राज्य में धान उपार्जन से प्राप्त राशि के आहरण के लिए बैंक शाखा में कृषकों की भीड होती थी। पैक्स में माईक्रो ए.टी.एम के उपयोग संबंधी जानकारी दिए जाने से लोग डिजिटल बैंकिग को अपनाने के लिए प्रेरित हुए है। मार्च माह में 18008 कृषकों द्वारा लगभग 16.00 करोड़ रू. की कैश निकासी माईक्रो ए.टी.एम के माध्यम से की गई है।

5. गतिविधि : माईक्रो ATM से संव्यवहार बढ़ाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम।

स्तर	आयोजन का विवरण	गतिविधियों की संख्या
ग्राम	माइक्रो ATM से संव्यवहार बढ़ाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।	2058

पैक्स दाढ़ी जिला बेमेतरा

पैक्स भरदा जिला बालोद

पैक्स लाटाबोड़ जिला बालोद

मानदंड	विवरण
क्षेत्र	पैक्स
गतिविधि का स्तर/स्थान	ग्राम/(पैक्स 2058)
कार्यक्रम गतिविधि का नाम	पैक्स में डिजिटल सेवाओं का उपयोग करने वाले कृषकों का सम्मान।
गतिविधि पर संक्षिप्त जानकारी	राज्य के पैक्स समितियों द्वारा सी.एस.सी, माईक्रो ए.टी.एम, इत्यादि के माध्यम से डिजिटल सेवाएं प्रदान की जा रही है, उक्त डिजिटल सेवाओं का लाभ लेने वाले कृषकों को पैक्स कार्यालय में सम्मानित करना जिससे अन्य कृषक भी डिजिटल सेवाआों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित हो।
उद्देश्य	डिजिटल सेवाओं के उपयोग करने वाले कृषकों का सम्मान।
प्रतिभागियों की संख्या	20156
उपलब्धियाँ और परिणाम	राज्य के पैक्स के माध्यम से अधिकाधिक डिजिटल सेवाओं का उपयोग करने वाले 2058 कृषकों को सम्मानित किया गया है। पैक्स से अन्य कृषक इस कार्य से प्रेरित हुए है।

6. गतिविधि : पैक्स में डिजिटल सेवाओं का उपयोग करने वाले कृषकों का सम्मान।

स्तर	आयोजन का विवरण	गतिविधियों की संख्या
ग्राम	अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष में पैक्स में डिजिटल सेवाओं का उपयोग करने वाले कृषकों को सम्मानित किया गया।	2058

जिला गौरेला-पेण्ड्रा मरवाही के पेण्ड्रा, कोडगार, खोडरी समिति में डिजिटल सेवाओं का लाभ ले रहे कृषकों का सम्मान।

मानदंड	विवरण
क्षेत्र	पैक्स
गतिविधि का स्तर/स्थान	जिला स्तर (16)
कार्यक्रम गतिविधि का नाम	प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्रों के माध्यम से जेनेरिक दवा विक्रय के संबंध में शिविर का आयोजन।
गतिविधि पर संक्षिप्त जानकारी	राज्य में मार्च माह में जन औषधि सप्ताह का आयोजन किया जाना तथा राज्य के पैक्स में संचालित जन औषधि केन्द्रों से 50 से 80 प्रतिशत तक सस्ती एवं उत्तम दवाईयों की जानकारी प्रदान करना
उद्देश्य	पैक्स में सचालित जन औषधि केन्द्रों के माध्यम से जेनेरिक दवाईयों का प्रचार प्रसार।
प्रतिभागियों की संख्या	5218
उपलब्धियाँ और परिणाम	राज्य के 28 पैक्स में संचालित जन औषधि केन्द्रों के माध्यम से सस्ती एवं उच्च गुणवक्तायुक्त जेनेरिक दवाईयों का विक्रय किया जा रहा है, जिससे प्रदेश के नागरिकों को महंगी दवाईयों के कारण व्यय के अत्यधिक भार से राहत मिल रही है।

7. गतिविधि : प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्रों के माध्यम से जेनेरिक दवा विक्रय के संबंध में शिविर का आयोजन।

स्तर	आयोजन का विवरण	गतिविधियों की संख्या
जिला	प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्रों के माध्यम से जेनेरिक दवा विक्रय के संबंध में शिविर का आयोजन किया गया।	33

भारतीय जन औषधि केंद्र गरियाबंद में स्वास्थ्य शिविर आयोजन।

भारतीय जन औषधि केंद्र लाहाद, में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन ।

मानदंड	विवरण
क्षेत्र	**FPO**
गतिविधि का स्तर/स्थान	राज्य स्तर
कार्यक्रम गतिविधि का नाम	कृषक उत्पादक संगठनों (FPO) में परियोजना प्रबंधन एवं पर्यवेक्षण विषय पर NCDC द्वारा क्षमता विकास कार्यक्रम का आयोजन।
गतिविधि पर संक्षिप्त जानकारी	राज्य **FPO** के अधिकारियों/कर्मचारियों को गुणवक्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए लेखा और बही खातों पर क्षमता विकास कार्यक्रम आयोजित करना।
उद्देश्य	एफ.पी.ओं परियोजना प्रबंधन एवं पर्यवेक्षण पर क्षमता विकास कार्यक्रम।
प्रतिभागियों की संख्या	130
उपलब्धियाँ और परिणाम	**FPO** के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए एन.सी.डी.सी. क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर द्वारा लेखा और बही खातों पर क्षमता विकास कार्यक्रम पर जिला सहकारी केंद्रीय बैंक जगदलपुर में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में **FPO** योजना की संक्षिप्त रूप रेखा प्रतिभागीयों के समक्ष रखी गई एवं सभी **FPO** बोर्ड सदस्यों को निदेर्शित किया गया की **FPO** में 300 सदस्य जोड़े और प्रबंधन लागत एवं मैंचिग इक्विटी ग्रांट हेतु आवेदन करे। प्रशिक्षण के माध्यम से **FPO** के कर्मचारी प्रेरित हो कर नए सदस्य जोड़ने बाबत् कार्यवाही कर रहे है।

8. गतिविधि : कृषक उत्पादक संगठनों (FPO) में परियोजना प्रबंधन एवं पर्यवेक्षण विषय पर NCDC द्वारा क्षमता विकास कार्यक्रम का आयोजन।

स्तर	आयोजन का विवरण	गतिविधियों की संख्या
बैंक	कृषक उत्पादक संगठनों (FPO) में परियोजना प्रबंधन एवं पर्यवेक्षण विषय पर NCDC द्वारा क्षमता विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।	01

Ncdc India is with **Ncdc Dehradun** and **19 others**.
1h ·

अंतराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 में छत्तीसगढ़ राज्य में FPOs सहकारी समितियों के अधिकारियों /कर्मियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एनसीडीसी - लिनाक के क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र, रायपुर (RTC) - एनसीडीसी क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर ने " लेखा और बहीखाते पर क्षमता विकास कार्यक्रम" पर physical Training Programme, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित , जगदलपुर में आयोजित किया।

श्री सुभाष कुमार वर्मा, सहायक निदेशक, NCDC रायपुर ने FPO योजना की संक्षिप्त रूपरेखा प्रतिभागियों के समक्ष रखी एवं सभी FPO बोर्ड सदस्यों को निर्देशित किया कि जल्द से जल्द FPOs में 300 सदस्य जोड़े और प्रबंध लागत और मैचिंग इक्विटी ग्रांट हेतु आवेदन करे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के सत्र श्री एस के ध्रुव, सीईओ , जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, जगदलपुर, श्री एस.ए.रजा, मुख्य पर्यवेक्षक, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, जगदलपुर, श्री ऐ.के तिग्गा, ऑडिट ऑफिसर, DRCS ऑफिस, जगदलपुर द्वारा प्रस्तुत किए गए। प्रशिक्षण में कुल 4 FPOs से 20 प्रतिभागीयों ने भाग लिया। सभी FPOs को सदस्यता धारक पंजी एवं प्रशिक्षण सामग्री श्री विनोद बुनकर, संयुक्त पंजीयक, जगदलपुर संभाग के कर कमलों द्वारा प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री सुभाष कुमार वर्मा , सहायक निदेशक NCDC Raipur द्वारा दिया गया।

9. गतिविधि : NCDC द्वारा गठित सफल कृषक उत्पादक संगठनों (FPO) की सफलता की कहानी व बेहतर कार्यप्रणाली का प्रदर्शन करना।

स्तर	आयोजन का विवरण	गतिविधियों की संख्या
जिला	NCDC द्वारा गठित सफल कृषक उत्पादक संगठनों (FPO) की सफलता की कहानी व बेहतर कार्यप्रणाली का प्रदर्शन किया गया।	33

FPO का प्रशिक्षण DCCB जगदलपुर में दिया गया।

पत्रिका

किसानों को जोड़ने चलाया जा रहा अभियान

पत्थलगांव @ पत्रिका. ब्लॉक के सभी सहकारी समितियों में सरकार से समृद्धि योजनाओं का प्रचार-प्रसार कार्यक्रम इन दिनों द्वारा जोर शोर से चल रहा है। समितियों द्वारा प्रत्येक गांव में शिविर लगाकर किसानों को सहकारिता में जोड़ने का अभियान चलाया जा रहा है।

इस संबंध में सहायक आयुक्त सहकारिता जशपुर ने बताया कि आत्मनिर्भर भारत सहकार से समृद्धि का संकल्प सहकार से समृद्धि भारत देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वकांक्षी विजन है, इसकी शुरूआत वर्ष 2021 से हुई जब इस वर्ष केन्द्र सरकार द्वारा केन्द्रीय सहकारिता मंत्रालय का गठन किया गया जिससे सहकारिता आंदोलन को एक नई पहचान मिली। सहकारिता मंत्रालय ने सहकारी समितियों को पेशेवर और प्रतियोगी बनाने के लिए कुल 45 योजनाएं बनायी है और पैक्स को डेयरी, मत्स्य पालन, जन औषधि, पेट्रोल पम्प, एल.पी.जी. जैसे कई व्यवसाय शुरू करने के लिए सशक्त कर रही है। सहकारिता मंत्रालय के सरकार से समृद्धि के संकल्प को पूरा करने का बीड़ा भारत के सहकारी आंदोलन की शीर्ष संस्था भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ ने उठाया भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ अपने 291 सदस्य संस्थाओं के माध्यम से देश के 8.50 लाख से अधिक सहकारी समितियों के शिक्षण और प्ररिक्षण के लिए काम करता है।

कई संस्थाओं से समझौता

इन दिनो ग्रामीण स्तर पर लगाए जा रहे शिविर में, पत्थलगांव धान उपार्जन केन्द्र के प्रभारी प्रबंधक विमलेश अंबस्थ, केराकछार धान उपार्जन केन्द्र के प्रबंधक रोहित खुंटिया, किलाकिला धान उपार्जन केन्द्र के प्रबंधक चंद्रभान नेताम, घरजियाबथान धान उपार्जन केन्द्र के प्रबंधक नरोत्तम यादव, तमता धान उपार्जन केन्द्र के प्रबंधक हजारी लाल सर्पराज, लुड़ेग धान उपार्जन केन्द्र के प्रबंधक भास्कर यादव अपने क्षेत्र के गांवो मे शिविर लगाकर किसानो को सहकारिता से जोड़ रहे हैं।

जिला – जशपुर

मानदंड	विवरण
क्षेत्र	पैक्स
गतिविधि का स्तर/स्थान	जिला स्तर (33)
कार्यक्रम गतिविधि का नाम	किसानों का फार्मर पंजीयन तथा **CSC** के माध्य से लेनदेन करने प्रेरित।
गतिविधि पर संक्षिप्त जानकारी	राज्य के 2029 पैक्स समितियों में **CSC** की आई.डी. निर्मित की गई है जिनके माध्यम से कृषक **CSC** के 300 से अधिक सेवाओं का लाभ ले सकते है।
उद्देश्य	राज्य के नागरिकों को पैक्स स्तर पर **CSC** की सेवाएं प्रदान करना।
प्रतिभागियों की संख्या	2732
उपलब्धियाँ और परिणाम	राज्य के पैक्स में संचालित सी.एस.सी के माध्यम से माह मार्च में लगभग 27 लाख से अधिक का संव्यवहार नागरिकों द्वारा किया गया है। राज्य में पैक्स स्तर पर सी.एस.सी केंद्र संचालित होने पर ग्रामीणों को डिजिटल सेवा के उपभोग करने हेतु शहर जाने की आवश्यकता नहीं है।

10. गतिविधि : किसानों का फार्मर पंजीयन तथा CSC के माध्यम से लेनदेन करने प्रेरित

स्तर	आयोजन का विवरण	गतिविधियों की संख्या
जिला	किसानों का फार्मर पंजीयन तथा CSC के माध्यम से लेनदेन करने प्रेरित किया गया ।	33

जिला दुर्ग

जिला बालोद

मानदंड	विवरण
क्षेत्र	अपेक्स बैंक तथा जिला सहकारी केंद्रीय बैंक
गतिविधि का स्तर/स्थान	राज्य स्तर
कार्यक्रम गतिविधि का नाम	**नाबार्ड द्वारा STATE CREDIT SEMINAR का आयोजन**
गतिविधि पर संक्षिप्त जानकारी	नाबार्ड द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए राज्य ऋण संगोष्ठि का अयोजन किया गया।
उद्देश्य	राज्य ऋण संगोष्ठि के माध्यम से कृषि और ग्रामीण विकास पर जोर देना।
प्रतिभागियों की संख्या	526
उपलब्धियाँ और परिणाम	नाबार्ड द्वारा राज्य ऋण संगोष्ठि कार्यक्रम आयोजित करते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कुल 1.18 लाख करोड़ रू. की ऋण क्षमता का अनुमान प्रस्तुत किया तथा ऋण क्षमता का लगभग 59 प्रतिशत एम.एस.एम.ई तथा 33 प्रतिशत कृषि क्षेत्रों के लिए निर्धारित किया गया है।

11. गतिविधि : सहकारी बैंकों के स्वास्थ्य की निगरानी की उच्च स्तरीय समिति की तिमाही बैठक (नाबार्ड द्वारा)।

स्तर	आयोजन का विवरण	गतिविधियों की संख्या
राज्य	नाबार्ड द्वारा STATE CREDIT SEMINAR का आयोजन किया गया	1

NABARD–CG holds 'State Credit Seminar 2025–26' in Raipur

Dignitaries releasing the State Focus Paper 2025-26.

NABARD C'garh pegged credit potential of Rs 1.18 lakh cr for State under priority sector for 2025-26

Business Reporter
RAIPUR, Mar 29

NATIONAL Bank for Agriculture and Rural Development (NABARD), Chhattisgarh Regional Office organised State Credit Seminar 2025-26 in Raipur on Saturday.

Minister of Cooperation Kedar Kashyap was the Chief guest. Vice-Chancellor of Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalay (IGKV) Dr Girish Chandel, Special Secretary Finance Sheetal Shashwat Verma, Deputy Secretary Finance Department Rishabh Parashar, Registrar of Cooperative Societies Kuldeep Sharma, General Manager of RBI Mohan Rawat, General Manager of SBI Manoj Kumar, Managing Director of Apex Bank KN Kande, Chairman of Chhattisgarh Rajya Gramin Bank Vinod Arora, District Development Managers of NABARD, LDM and other dignitaries were present on the occasion. The State Focus Paper 2025-26 for Chhattisgarh was also unveiled at the event.

Minister for Cooperation Kedar Kashyap congratulated NABARD for organising the State Credit Seminar 2025-26 and acknowledged the important role played by NABARD in supporting the farmers in the State. He highlighted the achievements of the banks in increasing the short-term credit flow for agriculture as well as State Government's enhanced procurement of paddy in the State. He wanted NABARD to collaborate with the State Government to work on increasing banking penetration in rural Chhattisgarh. Chief General Manager of NABARD Dr Gyanendra Mani said that NABARD has estimated the credit capacity under priority sector of Chhattisgarh for the year 2025-26 at Rs 1.18 lakh crore.

He said that out of the total credit potential of Rs 1.18 lakh crore for the year 2025-26, the share of MSME and agriculture sectors has been estimated at 58.8 per cent and 33.4 per cent respectively. He outlined the initiatives taken by NABARD in the field of infrastructure, development and promotional activities in the State. The NABARD CGM showed his concern on the declining trends of area under pulses and oilseeds in the state. He informed the house that NABARD Chhattisgarh has come out with a study on 'Oilseeds and Pulses in Chhattisgarh'.

NABARD Chhattisgarh has shared the study report along with a set of suggestions emanated from the workshop for increasing area under oilseeds and pulses in the State.

NABARD urged all banks to provide loans for the development of priority sectors in the financial year 2025-26 based on the assessment of the State Focus Paper.

सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप जी ने केंद्रीय राज्यमंत्री जी से की मुलाकात तथा छत्तीसगढ़ की सहकारी उपलब्धियों और मांगों पर हुई विस्तार से चर्चा।

Minister Kashyap advocates C'garh's Coop growth, demands with Union Minister Mohol

Staff Reporter
RAIPUR/NEW DELHI, Mar 25

CHHATTISGARH'S Cooperative Minister Kedar Kashyap met with Union Minister of State for Cooperation Murli Dhar Mohol in New Delhi, seeking enhanced support to propel the state's cooperative sector in alignment with Prime Minister Narendra Modi's 'Sahakar se Samriddhi' vision.

Accompanied by Chhattisgarh's Additional Chief Secretary for Cooperation Subrat Sahu and Commissioner for Cooperation Kuldeep Sharma, Minister Kashyap presented Chhattisgarh's achievements and submitted demands to strengthen cooperative initiatives in the state.

Minister Kashyap emphasised the state's steady progress in cooperative development and urged the Centre's swift approval for several critical proposals. He highlighted the need for approval for computerisation of 30 remaining PACS (Primary Agricultural Cooperative Societies) alongside 500 new PACS. Kashyap also called for the establishment of NABARD's training institute 'BIRD' in Chhattisgarh to train PACS, DCCB, and Apex Bank employees. Additionally, he underscored full concessional refinance support from NABARD under Short-Term Agriculture Loan Scheme to meet Chhattisgarh's Rs 8,500 crore credit target for FY 2024-25. He pointed out that currently, only Rs 1,150 crore (14.9%) has been provided, creating financial constraints.

Kashyap requested the waiver of Rs 84.79 lakh in delayed interest for the Sardar Vallabhbhai Patel Cooperative Sugar Mill, which has already repaid Rs 137.84 crore. He further sought permission for State sugar mills to sell higher sugar quotas to facilitate prompt payments to sugarcane farmers.

To promote economic growth in tribal regions, Kashyap outlined the government's plan to provide 650 milch animals to 325 tribal families across six districts, aimed at boosting income through dairy cooperatives. He also elaborated on Chhattisgarh's efforts to strengthen organic farming practices. Highlighting the state's agricultural strength, Kashyap revealed that an MoU has been signed with the National Cooperative Organic Federation to promote organic produce. Notably, 22

The meeting under way.

minor forest products, including tamarind, honey, chironji, and amla, have received organic certification to enhance their market value.

Kashyap reported notable achievements following Union Minister Amit Shah's review meeting. He further announced that all 2,058 PACS in Chhattisgarh are now live on digital platforms, with full e-PACS integration targeted by April 2025.

Additionally, PACS have played a crucial role in paddy procurement, disbursing over Rs 46,251.77 crore to 25.49 lakh farmers during the 2024-25 kharif season.

** धन्यवाद**